

कोंडा रेड्डी जनजातके ज्ञान की उपयोगिता

स्रोत: द द्रिष्टि

हाल ही में वन अधिकारियों को यह पता चला कि एक **भारतीय लॉरेल वृक्ष** या **भारतीय सलिवर ओक (फाइक्स माइक्रोकार्पा)** की छाल, वंशियों में, जल का भंडारण करती है। जैसा कि **कोंडा रेड्डी जनजात** द्वारा दावा किया जाता है।

- मूलतः **भारतीय लॉरेल वृक्ष** दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के क्षेत्रों में पाए जाते हैं, यह उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय जलवायु में उगते हैं। यह चमकदार, घने हरे पत्ते वाले **सदाबहार वृक्ष** होते हैं, और इसके लेटेक्स रस का उपयोग रबर उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।
- कोंडा रेड्डी जनजात **गोदावरी क्षेत्र में पापीकोंडा पहाड़ी शृंखला** (आंध्र प्रदेश) में निवास करने वाले **कमज़ोर आदिवासी समूह** हैं और उनकी मातृभाषा तेलुगू है।
- **पापीकोंडा राष्ट्रीय उद्यान (Papikonda National Park- PNP)** को वर्ष 1882 में आरक्षित वन, वर्ष 1978 में वन्यजीव अभयारण्य और वर्ष 2008 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
 - PNP में **आर्द्र पर्णपाती वन** पाए जाते हैं, इनमें बाघ, चूहा, हरिण, गौर आदि जैसी पशु प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

और पढ़ें: [जनजातीय समाज को सशक्त बनाने के लिये ओडिशा और आंध्र प्रदेश में ST सूची में PVTG को शामिल करने हेतु वधियक](#)